Jain Star
जैन स्टार

To,

103, शंभू सदन, देवचंद नगर, भायंदर (पश्चिम) जिला- ठाणे - 401 101
Tel :- 9221001250 / 022- 28172666

R.N.I.NO.: MAHHIN/2013/50050
Postal Regd. No. MH/MR/Thane (W) 171/2013
Posted at Bhayander West Post Office
Day of Publication On the Every Sunday
Day of Post On the Every Monday

18 दिसम्बर 2013 से आमरण अनशन शुरू करने की सूचना

दिल्ली। विश्व जैन संगठन के अध्यक्ष संजय कुमार जैन, ने प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को पत्र लिख कर सूचित किया है कि दिनांक २३ अक्टूबर,१९९३ को भारत सरकार द्वारा पांच धार्मिक समुदायों को जनगणना के आधार पर धार्मिक अल्पसंख्यक घोषित किया गया था, लेकिन जैन धर्म को नहीं क्यो ? जबकि जैन भी धार्मिक रूप से अल्पसंख्यक थे! जैन धर्म भारत का एक प्राचीन और स्वतंत्र धर्म है। जैन धर्म के प्राचीन और स्वतंत्र होने के विभिन्न अकाट्य प्रमाण उपलब्ध है। भारत के ही नहीं अपितु विश्व के कई साहित्यकारों, इतिहासकारों, राजनीतिज्ञों, अन्य धर्मों के ग्रंथों और विभिन्न राज्यों के उच्च न्यायालयों और भारत के उच्चतम न्यायालय ने भी अपने कई निर्णयों में जैन धर्म को प्राचीन और स्वतंत्र धर्म माना है।

उच्चतम न्यायालय ने भी २९ जुलाई २००४ को केंद्र सरकार को इस विषय को दस वर्षो से लंबित होने के कारण चार महीने के अन्दर निर्णय लेने के आदेश दिए थे परन्तु फिर भी केंद्र सरकार ने आज तक कोई निर्णय नहीं लिया! दिनांक १७.५.१९९२ को लोक सभा में पारित राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के खंड २ सी के अंतर्गत केंद्र सरकार को किसी भी समुदाय को अल्पसंख्यक घोषित करने का संवैधानिक रूप से पूर्ण अधिकार प्राप्त है और इस अधिकार में कोई भी न्यायालय हस्तक्षेप नहीं कर सकता, फिर भी केंद्र सरकार जैन समाज की उपेक्षा क्यो कर रही है? वर्ष २००७ में गुजरात सरकार ने धर्मान्तरण बिल पारित कर जैन धर्म को हिन्दू धर्म का हिस्सा बनाने का प्रयास किया था, जो कि विरोध के चलते असफल हो गया था। इसके अतिरिक्त प्राचीन जैन प्रतिमाओं और तीर्थों पर नाजायज कब्जे किये जा रहे है। जैन संतो को जान से मारने के षड़यंत्र किये जा रहे हैं जिससे जैन समाज अपनी और अपने धर्म के भविष्य को लेकर चिंतित है। जैन धर्म के अनुयायी अल्पसंख्यक होते हुए भी भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में अपना पूर्ण सहयोग देने से लेकर आज तक सर्वाधिक शिक्षित होकर भारत सरकार में उच्च पदों पर आसीन होकर, देश में महत्वपूर्ण व्यवसायों में अन्य को रोजगार और सरकार को सर्वाधिक आयकर व अन्य कर पूरी ईमानदारी से देते हुए अहिंसक तरीके से अपना जीवन व्यतीत कर रहा है फिर भी अपने संवैधानिक अधिकारों से आज तक वंचित है। अल्पसंख्यक मंत्रालय जैन धर्म को अल्पसंख्यकता देने में टी.एम.ए.पाई के एक फैसले को अवरोध बताता है जबकि माननीय उच्चतम न्यायालय ने ही दिनांक २९ जुलाई २००४ को मुक़दमा संख्या ४७३०/१९९९ में साफ-२ अपने आदेश में लिखा है कि टी.एम.पाई मुक़दमे में राष्ट्रीय स्तर पर अल्प्संख्यकता देने सम्बन्धी विषय को लिया ही नहीं गया। इस विषय में देश की विभिन्न जैन संस्थायों द्वारा पिछले कई वर्षों से पत्र व अन्य माध्यम से निवेदन किया जा रहा है एवं विश्व जैन संगठन द्वारा भी अनुरोध पत्र दिनांक २३ सितम्बर व १९ फरबरी २०१३ द्वारा निवेदन किया गया! जैन समाज के कई प्रतिनिधिमंडल पिछले एक वर्ष में कई वार आपसे, सोनिया गाँधी से व अल्पसंख्यक मंत्री से मिल चुके है, सभी के द्वारा जल्द कार्यवाही करने के आश्वाशन दिए गयें। विश्व जैन संगठन द्वारा इस विषय में विश्व अल्पसंख्यक दिवस १८ दिसम्बर २०१२ को भी एक विशाल अधिकार रैली और अधिकार सभा का आयोजन दिल्ली में किया गया था और जैन धर्म रक्षकों द्वारा ४ से ८ अप्रैल २०१३ को जंतर-मंतर, दिल्ली पर अनशन भी किया गया था और जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल के साथ अल्पसंख्यक मंत्री की जल्द कार्यवाही के आश्वाशन के बाद अनशन स्थगित कर दिया गया था लेकिन आज तक सरकार द्वारा कोई कार्यवाही नहीं गयी,भारत सरकार द्वारा जैनों को उनका संवैधनिक अधिकार आज तक नहीं दिया गया, जिसका सभी जैनियों को दु:ख है।

अत: भारत सरकार द्वारा जैन धर्म को 'राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम' के खंड २ सी के अंतर्गत यदि ३० नवम्बर २०१३ तक राष्ट्रीय स्तर पर अल्पसंख्यक धर्म घोषित नहीं किया तो विश्व अल्पसंख्यक दिवस दिनांक १८ दिसम्बर २०१३ से समस्त भारत के जैन समाज के सहयोग से विश्व जैन संगठन द्वारा सम्पूर्ण भारत में व दिल्ली में विशाल जैन अधिकार रैली और जैन धर्म-रक्षकों द्वारा आमरण-अनशन जंतर-मंतर, नई दिल्ली पर शुरू किया जायेगा, जो इस बार जैन समाज का संवैधानिक अधिकार मिलने तक जारी रहेगा और इसकी पूर्णत: जिम्मेवारी भारत सरकार की होगी। यह शांतिपूर्ण आन्दोलन किसी भी प्रकार का राजनीति लाभ लेने हेतु नहीं अपितु जैन धर्म को स्वतंत्र और अल्पसंख्यक धर्म घोषित कराने हेतु है। अत: भारत सरकार से अनुरोध है कि सम्पूर्ण देश के जैनों के साथ न्याय करते हुए शीघ्र राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, १९९२ के खंड २ सी के अंतर्गत आर्डर जारी करने के आदेश दें।

डिस्कवरी द्वारा आस्था और विश्वास पर डाक्यूमेंट्री

कुण्डलपुर। अभी हाल ही में कुण्डलपुर बड़े बाबा के चरणों में डिस्कवरी चैनल की टीम ने डाक्यूमेंट्री के लिए शूटिंग की, जिसमे दिगंबर साधू की चर्या आदि को दिखाया गया है उसके लिए आचार्य श्री वर्धमानसागर जी महाराज ससंघ की चर्या की शूटिंग हुई ! अमेरिका के बहु चर्चित टी .वी चैनल डिस्कवरी ने जैन धर्म से सम्बंधित आस्था और विश्वास पर एक डाक्यूमेंट्री फ़िल्म बनाने का निर्णय लिया है ।

टी .वी चैनल डिस्कवरी ने अपनी इस डाक्यूमेंट्री फिल्म के लिए सम्पूर्ण भारत में से कोलकता के श्री राकेश सेठी को संयोजक बनाया है ।श्री राकेश जी सेठी गणिनी आर्यिका श्री सुपार्श्वमती माताजी तथा राष्ट्र गौरव वात्सल्य वारिधि श्री वर्धमान सागरजी महाराज के शिष्य है। फिल्म की शूटिंग ६-७ अक्टूबर को टीकमगढ़ में हुई जिसमे १४ अक्टूबर को आचार्य श्री विभव सागरजी महाराज के सानिध्य में अशोक नगर में होने वाली दीक्षार्थी बहनों के गृहस्थ अवस्था की शूटिंग की जाएगी। ८-१० अक्टूबर तक शूटिंग कुण्डलपुर (बड़े बाबा)में हुई, जहाँ आचार्य श्री वर्धमान सागरजी महाराज के ससंघ की चर्या और चर्चा की शूटिंग की गयी।

शूटिंग के फाइनल क्रम में अशोक नगर में आयोजित भव्य दीक्षा के कार्यक्रम को १२-१५ अक्टूबर तक शूट किया जायेगा। जिसमे दिक्षार्थी भाइयों और बहनों के मेहंदी की रश्म, बिंदोरी,केश लुंचन, दीक्षा समारोह तथा आहार चर्या को विशेष रूप से शूट किया जायेगा । जैन समाज के इतिहास में ये पहली बार है की विश्व के बहु चर्चित english channel-discovery द्वारा जैन धर्म पर किसी डाक्यूमेंट्री फिल्म का निर्माण किया जायेगा और जिसका प्रसारण सम्पूर्ण विश्व के लगभग १३६ देशों में अलग अलग भाषा में किया जायेगा।

थानजी महाराज, मो-9324375022, हसमुख भाई, मो- 9323324178
किशोर भाई, मो- 9821368395
गणेश केटरिंग सर्विस GKs
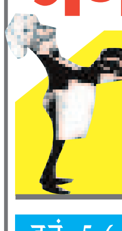
::स्पेशल: मारवाड़ी नमकीन और मीठाई
(घेवर), शाही जमनवार, बुफे, आईस्क्रीम, कीटी पार्टी,
जन्मदिन ईन्वीटेशन आदि विशेष अवसरों पर पूरी जिम्मेदारी के साथ ऑर्डर लिया जाता है।
दु.नं., 5-6 श्रीपाल नगर नं.3 देवचंद नगर रोड, भाईंदर (वे.) ठाणा-401 101
टेलिफोन नं- (022) 28142062/ 28186348/ 3243 6395

Kalpesh Shah
Mo-9987559331
9702662990
।। जय श्री सत् महाराज ।।
Mahadev Bhai
Mo- 8097661847
9224344829
Gaurav Caterers
Marriage, Engagement, Birthday Party, Picnic Party, Buffet Dinner, All jain Program & Catering Uptodate Contractor
Shop No- 6, Prabhu Ashish Bldg. No.1, Ambemata Mandir Road, Bhayandar (w), 401 101

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक दिनेश कोठारी द्वारा एस.आर. पब्लिकेशन एंड प्रिंटींग प्रेस, मोहन अर्जुन कंपाऊंड नं.8,9,10 घरटनपाडा के पास, वैशाली नगर, अंतिम बस स्टॉप, दहिसर (पूर्व) मुंबई-400068 में मुद्रित तथा 103 शम्भू सदन, देवचंद नगर, भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401 101 से प्रकाशित, संपादक: दिनेश कोठारी आर.एन.आई. पंजीयन नंबर MAHHIN/2013/50050

WE HEARTILY WELCOME FOLLOWING MEMBERS WHO HAVE JOINED

स्टार संरक्षक

विमलचंद एस. बोराना

घीसुलाल आर. सोनीग्रा

बाबूलाल एम. तेलीसरा

गिल्बर्ट मेंडोंसा

उमरावसिंह ओस्तवाल

नरेंद्र एल. मेहता

प्रकाश एम. धनेशा

सुरेश एस. तेलीसरा

जयंतीलाल एच. खाटेर

चंदनमल सी. तेलीसरा

लक्ष्मीचंद एस. बोराना

किशनराज एस. मेहता

अशोक सी. मेहता

गीता बी. जैन

करिश्मा एम. पुनमिया

रमेश बी. भंडारी

जयंती बी. सोनीग्रा

राजेश आर. पुनमिया

मुकेश के. मेहता

आर.डी. लुकड

रविंद्र ए. कोठारी

देवराज के. संचेती

संपतराज बी. जैन

प्रवीण के. शाह

हिराचंद बी. लुणीया

महेंद्र बलदोटा

सुरेश एल. खाटेंर

विशनराज.जी मेहता

ताराचंद छाजेड़

कांतीलाल एम. मेहता

किर्ती कुमार बी. खाटेड़

वाहन ड्राईवर सावधानी बरतें!

साधु-संत राष्ट्र और समाज
की पूंजी है, धरोहर है।
वे सड़क पर साइड में पैदल
ही चलते है-यह परंपरा है।
इन्हें सुरक्षा दें,
हर तरह का सहयोग दें।
इंसानियत का परिचय दें।
'जैन स्टार' द्वारा प्रसारित

Shrimati Saree Center

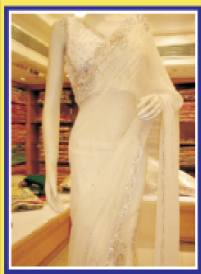

40-B, Veerdarshan Bldg., G.D. Ambekar Marg Parel-Bhoiwada, Mumbai-400 012

Tel- 2412 9096 / 24146157
Email: shrimatidesigner@gmail.com

Devraj K. Jain
M:. 9323112510
BHAVNA BANGLES
All kind of Bangles
24, Swaminarayan Building,3rd Floor, Shop No. 153, 3rd Bhoiwada, Mumbai - 400 002 Tel: 22412510

मुझे शिकायत है ...

▸ मुझे शिकायत है उन कथित ढोंगी साधु-संतो और बाबाओं से जो लोगों की भावनाओं को भुनाकर उनका देहिक आर्थिक और मानसिक शोषण करते है।

-राजेंद्र सिंह

▸ मुझे शिकायत है उन महिला नेताओं से जो कहने को तो वार्ड पंच, नगर सेवक और विधायक के पदों पर विराजित है।पर वास्तव में असली काम (सत्ता) इनके पास न होकर इनके पतियों के पास होती है।

- हिम्मत मीणा गुडाएंदला

▸ मुझे शिकायत है उन चंद बिल्डरों से जो अपने व्यापारिक फायदों और धार्मिक कार्य करने का श्रेय लेने के लिए अनिधिकृत अतिक्रमण को बढ़ावा देते है।

-शोभा सोलंकी

जैन समाज में नई चेतना और जागरण का दूत

'जैन स्टार'

वार्षिक सदस्यता फार्म

नाम ....

पता..

मोबाईल नं. ....

चेक नं...

बैंक नाम..

राशि (अंकों में) 500/- (शब्दों में) पांच सौ रुपये

● सदस्यता फार्म भरकर 'जैन स्टार' के नाम से चेक दें।

● 'जैन स्टार' की प्रति आपके पते पर डाक से भेजी जाएगी। आप हमारे खाता नं. 09951131005024 (ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स) में भी सदस्यता शुल्क जमा करवा सकते है।

संपर्क: 103 शंभू सदन, देवचंद नगर,
भायंदर (पश्चिम) जिला-ठाणे-401 101
Tel:- 9221001250/ 022-28172666
Email: jainstarweekly@gmail.com

नोट:- वार्षिक सदस्य बनने पर अगले अंक में विजिटिंग कार्ड साईज विज्ञापन फ्री।

STAR FAST NEWS

अरिहंत चक्र महामण्डल विधान 20 अक्टूबर से

दमोह। अरिहंत चक्र महामण्डल विधान का आयोजन जैन समाज के द्वारा २० अक्टूबर से २७ अक्टूबर तक मुनि श्री पवित्र सागर जी एवं मुनि श्री प्रयोगसागर जी महाराज के मंगल सान्निध्य मे उमा मिस्त्री की तलैया में होने जा रहा है। मीडिया प्रभारी सुनील वेजीटेरियन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस भव्य आयोजन के महापात्रो का चयन उमा मिस्त्री की तलैया में १५ अक्टबर को दोपहर २:०० बजे से होना है, जिसमें मुनि श्री के मंगल प्रवचन भी होगें। विधान आयोजक समिति के संयोजक संतोष गांगरा, गिरीष अहिंसा, उपसंयोजक अरविंद इटोरया एवं रजनीष जैन ने समस्त भक्तगणों से कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है। इसके पूर्व पं सुरेश शास्त्री के निर्देशन मे १२ अक्टूबर को विधान के आयोजन हेतु शिलान्यास सम्पन्न किया गया।

धारीवाल व खाबिया द्वारा प्रवास यात्रा सम्पन्न

नासिक। धारीवाल समूह के रसिकजी धारीवाल, शोभाजी धारीवाल तथा उनकी सुपुत्री खाबिया ग्रुप के किशोरजी खाबिया तथा उषा खाबिया ने पुरे ग्रुप के साथ त्रिदिवसीय यात्रा प्रवास का आयोजन किया। उनके साथ पोपट ओसवाल, देवीचंद जैन, राजेश जैन, रवि सांखला, अचल जैन, राजेन्द्र जैन, अजित जैन, रमेश गांधी, दिलीप मेहता, युवराज शाह आदि गणमान्यों व साइट के लोगों अन्य व्यक्ति भी थे। यात्रा प्रवास कि शुरुआ़त मानस मंदिर, शाहपुर में प्रभु के दर्शन की जहाँ स्थानीय लोगों द्वारा ४०० लोगों की उपस्थिति में परंपरागत तरीके से सभी गणमान्य व्यक्तियों का धूमधाम के साथ स्वागत किया गया। दूसरे दिवस नासिक में प. पू. गुरुदेव चन्द्रयशविजयजी म. सा. को उनके ७० उपवास की शाता पूछकर एवं दर्शन वंदन आदि कर १०००० से अधिक लोगों की भारी भीड़ की उपस्थिति में खाबिया समूह को नासिक में पहली बारह मंजिला इमारत की चाबी सौंपने की रस्म अदा की गई।

श्रीमती सुखीबाई बस्तीमल खांटेड़ का जीवित महोत्सव संपन्न

रोहा। प.पू. आचार्य श्री चंद्राननसागर सूरश्विर जी म.सा. की निश्रा में गुडाऐंदला निवासी श्रीमती सुखीबाई बस्तीमलजी खांटेड के जीवन में हुई विविध तपस्या व अनुष्ठानों के अनुमोदनार्थ त्रिदिवसीय जिनभक्ति महोत्सव (जीवित महोत्सव) का आयोजन किया गया। आचार्य श्री की उपस्थिति में 4 से 6 अक्टूबर 2013 की तहत विविध महापूजनों के अलावा श्री संघ स्वामी वात्सल्य का आयोजन किया गया। महोत्सव को सफल बनाने के लिये उत्तमचंद व कीर्तिकुमार खांटेड ने सभी का आभार माना। संगीत की रमझट निलेश बरलोटा ने जमायी। व महोत्सव का विधि विधान कुलदीप भाई ने करवाया। इस अवसर पर राधाबेन उत्तमचंद खांटेड़ द्वारा श्रेणिक तप की तपस्या एवं भव्य वरघोडा भी संपन्न हुआ।

श्री शंखेश्वर पुनम यात्रा संघ द्वारा संघ यात्रा का आयोजन

पुना। पुना हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्री शंखेश्वर यात्रा संघ पुणे द्वारा संघ यात्रा प्रवास का आयोजन किया गया है। संस्था के संस्थापक दिनेश डी. सामसुका ने बताया कि 22 दिसंबर 2013 से 1 जनवरी 2014 तक भक्तों को माउंट आबू केशरिया जी , चित्तोड़गढ़, राणकपुर, नाकोड़ा जी आदि तीर्थों की यात्रा करवायी जायेगी। उन्होंने बताया कि यात्रा शुल्क 10,800/- व बच्चों के लिये 10,300/- रूपये रखे गये हैं। टिकिट हेतु 09422315451 / 09423573752 / 09850036645 पर संपर्क करें।

श्री नाकोड़ा दरबार मंडल द्वारा "शिखर" का सफल आयोजन

● डॉ. प्रवीण ने सिखाया जीवन में समय का महत्व

मुंबई। मुंबई स्थित बिरला मातोश्री सभगृह में धार्मिक, सामाजिक, चिकित्सा, शैक्षणिक तथा जीवदया के क्षेत्र में सतत प्रयासरत षंस्था श्री नाकोड़ा दरबार मंडल (लालबाग) द्वारा "शिखर" एक नयी सोच से शिखर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस आयोजन के प्रमुख वक्ता डा. प्रवीण आर.जैन ने प्रोजेक्टर पर क्लिपिंग, सटीक युक्तियाँ व उदाहरण स्वरूप लघु कथाओं द्वारा जीवन में समय का महत्व विषय पर सभा को संबोधित करते हुये बताया कि जो मनुष्य जीवन में समय का सदुपयोग करता है वही शिखर तक पहुँच सकता है। समय अमूल्य है और उसकी सही शक्ति को पहचानकर ही हम अपनी मंजिल पा सकते हैं। अन्यथा कष्टों का रोना रोकर या घबराकर आगे नहीं बढ़ा जा सकता। कार्यक्रम में उपस्थित एक हजार से भी अधिक श्रोताओं ने डॉ. प्रवीण के सटीक एवं भावपूर्ण प्रस्तुतिकरण को सुन मंत्रमुग्ध हो गये। डॉ. प्रवीण ने अब तक 25 से भी अधिक शहरों में माइंड पावर एवं कैरियर गाइडेंस कार्यशालाओं का सफल आयोजन कर 1,52,200 व्यक्तियों को प्रशिक्षण देकर लाभान्वित किया है।

समारोह के मुख्य अतिथि विधायक मंगल प्रभात लोढ़ा, जयपुर न्यायाधिपति मनीष भंडारी, मुंबई के पूर्व न्यायाधिपति आर.जे. कोचर, राज के. पुरोहित, मदनजी मुठलिया, सिद्धराजजी लोढ़ा ने भगवान के समक्ष मंगल दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।इस अवसर पर श्री नाकोड़ा दरबार मंडल (लालबाग) के संस्थापक अध्यक्ष मनोज शोभावत ने मंडल की गतिविधियों की जानकारी देते हुये कहा कि इस मंडल ने कदम-दर-कदम मानवता के काम में सदभावना के साथ समाजोपयोगी धार्मिक, सामाजिक, चिकित्सा, शैक्षणिक तथा जीवदया के कार्यों से समाज में अहम स्थान प्राप्त किया है और इसकी सफलता का श्रेय मंडल के हर कार्यकर्ता को जाता है। समारोह के विशिष्ठ अतिथि मंगल जी ने कहा कि आज के माहौल में तनावग्रस्त व्यक्ति को मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिये मंडल द्वारा इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन कर सराहनीय कार्य किया है। श्री मुठलिया ने कहा कि इस प्रकार के कार्ये हमारी सोच को परिपक्व बनाते हैं। और योग्य कार्यों को समुचित दिशा निर्देश मिलता है। डॉ. प्रवीण से समाज को सकारात्मक अपेक्षायें है और मैं आशा करता हूँ कि वे खरे उतरेंगे। श्री पुरोहित ने भी इस बहुउद्देशीय आयोजन को संस्कार व संस्कृति को सुरक्षित रखने का पहला पायदान और अत्यंत आवश्यक कड़ी बताया। श्री मनीष भंडारी ने कहा कि आज साबित हो गया कि यदि हम अवसर प्रदान करें तो हमारे समाज की कई छुपी प्रतिभायें सामने आ सकती हैं और यदि जैन समाज मुंबई में कॉलेज खोलना चाहता है तो वे अपनी ओर से हर संभव कोशिश करेंगे तथा उसके संचालन में मददगार बनेंगे। श्री कोचर ने कहा कि आज के भागदौड़ भरे परिवेश में हर मन व्याकुल और तनावग्रस्त है। इस प्रकार की कार्यशाला सकारात्मक सोच व ऊर्जा प्रदान करती है। मंच संचालन का कार्यभार प्रभावी वक्ता ललित परमार ने कुशलतापूर्वक किया। अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष मनोज शोभावत, उपाध्यक्ष भरत कोठारी, कोषाध्यक्ष भंवर छाजेड़ ने किया तथा सचिव नवरतन धोका ने आभार प्रकट किया।

Maxus Banquet Hall
MANAGED BY :
Since 1937 Wedding Planner
Shantiram
CATERING SERVICES PVT. LTD.
Dingore Decorators
All Types of Decorator & Events Management Company
WEDDINGS BIRTHDAY
SEMINARS CONFERENCES
ENGAGEMENT SANGEET
EXHIBITIONS MEETINGS ETC.
FOR ENQUIRY CALL
9833852204 / 9029295001
MAXUS MALL, 4TH FLOOR,
FLYOVER BRIDGE,
BHYANDER (W), DIST. THANE - 401101.

इंदरमल राणावत निर्विरोध चुने गए अध्यक्ष

फालना। श्री पार्श्वनाथ जैन उम्मेद शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष पद पर एक बार फिर इंदरमल राणावत को निर्विरोध चुन लिया गया है। वार्षिक आम बैठक में राणावत को एक ओर कार्यकाल के लिए अध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुना गया है।

हालांकि वर्तमान चुनाव पद्धति से नाखुश सामाजिक संगठनों के विरोध के बावजूद गोड़वाड़ की तीनों शिक्षण संस्थाओं में परिवारवाद वेवाइवाद का बोलबाला है। जैन स्टार से हुई बातचीत में राणावत ने बताया कि आगामी कुछ दिनों में नई वर्किंग कमिटी की घोषणा की जाएगी। देखने वाली बात ये रहेगी कि राणावत अपनी नई कमिटी में नये चेहरे एवं युवाओं को प्रतिनिधित्व देते है या फिर वहीं पूराने चेहरे नई कमिटी में नजर आएंगे।

STAR FAST

जैन मुनियों का प्रयास लाया रंग, भोपों ने बलि नहीं चढाने का लिया संकल्प

उदयपुर। कहते है जो काम समाज और उनके नुमाइंदों के माध्यम से संभव नहीं हो सकता उसे धर्मगुरू पल भर में पूरा कर देते हैं। ऐसा ही कुछ इन दिनों उदयपुर संभाग में देखने को मिल रहा है। सलाहकार दिनेश मुनि, महाश्रमणी पुष्पवती की पावन प्रेरणा से महासती सोहनकुंवर जैन महिला मंडल की सदस्याओं ने मिलकर समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने का जो बीडा उठाया उसमें वे निरंतर सफल होते नजर आ रहे हैं। उन्हीं का प्रयास है कि नवरात्रि के समय देवरों पर बलि चढाने वाले भोपे बलि प्रथा को त्यागकर उसकी बजाय प्रसाद रूप में मीठा भात बनाकर वितरण कर रहे हैं। भोपों द्वारा अपनाई जा रही इस प्रवृति का अनुसरण अन्य देवस्थानों में भी देखने को मिल रहा है। जैन साधु समाज की यह बहुत बडी उपलब्धि कही जा रही है। पशु संरक्षण के लिए भोपाओं और ग्रामीणों द्वारा लिया गया यह ऐतिहासिक फैसले के संबंध में उन्होंने प्रशासन और प्रेरणा देने वाले संतों को हलफनामा भी दिया है।

सवा पाँच लाख णमोकार महामंत्रों का जाप

दुर्गापुरा। जयपुर के श्री चन्द प्रभु दिगम्बर जैन मंदिर, में एक करोड ग्यारह लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह मंत्रो का णमोकार महामंत्र का जाप्यानुष्ठान का भव्य आयोजन परम पूज्य आचार्य रत्न १०८ श्री बाहुबली जी महाराज के सुयोग्य षिष्य बालाचार्य १०८ श्री सिद्धसेन जी महाराज, गणिनि आर्यिका रत्न १०५ श्री श्रुतदेवी माताजी, आर्यिका १०५ श्री सुज्ञानी माताजी व छुल्लक १०५ श्री सुदर्षन जी महाराज के पावन सानिध्य में रविवार दिनांक ६ अक्टूबर २०१३ से प्रतिदिन चल रहा है यह आयोजन १९ अक्टूबर २०१३ तक चलता रहेगा, जाप्यानुष्ठान प्रतिदिन प्रातः ४.०० बजे से शुरु होता है जिसमें प्रतिदिन नित्य अभिषेक, शांतिधारा, विधान पूजन, नित्य पूजन हीता है णमोकार महामंत्र जाप्यानुष्ठान सुबह ४.०० बजे से प्रारम्भ होता है और रात्रि १२.०० बजे तक चलता है। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक वीरेन्द्र पाण्डया ने बताया की इस जाप्यानुष्ठान में देश भर से हजारों श्रद्धालुगण भाग ले रहे है दिनांक १९ अक्टूबर २०१३ को बालाचार्य श्री एवं आर्यिका श्रुतदेवी माताजी के सानिध्य में २१०० श्रावको के द्वारा विष्व में शांति की कामना के लिए एक महायज्ञ का आयोजन किया जाऐगा व रविवार २० अक्टूबर २०१३ को मानसरोवर के षिप्रा पथ पर स्थित टैगोर स्कुल के सभागार में बालाचार्य श्री एवं आर्यिका संघ की मंगल प्रेरणा से रचित १२५ महिलाओं के द्वारा एक भव्य ऐतिहासिक नाटक की प्रस्तुति '' एक थी राजकुमारी सती अंजना की अरुण कहानी का मंचन किया जाऐगा।

उपाध्याय पद की आराधना एवं साधना

पालिताणा। संघवी पानीदेवी मोहनलाल मुथा सोनवाडिया रीलिजियस ट्रस्ट द्वारा आयजित आध्यात्मिक चातुर्मास अंतर्गत नगरी में चल रहे प्रवचन के दौरान अनंत करूणा के सागर ऐसे श्री श्रमण भगवान महावीर के शासन में चल रही शाश्वती ओली के तीसरे दिन आचार्य पद को समझाते हुये आचार्य दीक्षा दानेश्वरी आ.भ. गुणरत्न सूरीश्वर जी ने कहा कि सूर्य समान तीर्थंकर परमात्मा एवं चंद्रस-मान केवलज्ञानी है। आचार्य भगवंत दीपक समान है। जैन धर्म में आचार्यों का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। तीर्थंकर श्री महावीर ने जब दीपावली के दिन निर्माण पद प्राप्त किया, तब जिन शासन की धुरा आचार संपन्न भावाचार्यों को सौंपी। तीर्थंकर परमात्मा के समान ही प्ररूपणा करने की कारण आचार्य भगवंतों को तित्थयर समो सूरि....तीर्थंकर के समान कहा गया है।

आचार्य यशोरत्नसूरि जी ने कहा कि जिनशासन में आचार्य भगवंतों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और आगे भी रहेगा। दीक्षा दानेश्वरी आ.भ. गुणरत्न सू-रीजी के आचार्य पदवी के रजत महोत्सव वर्ष आचार्य भगवंत श्री रश्मिसागरसूरिजी ने बताया कि प्रभुवीर का शासन 21000 साल तक चलेगा। उसका मुख्य कारण आचार्य भगवंत है। आचार्यों भगवंतों के योगदान के द्वारा ही जिनशासन की पाटप-रंपरा में वृद्धि होगी। तथा आचायर भगवंत ने भगवान महावीर की पाटपरंपरा में 56 वीं पाट पर हुये सिरोही जिला के पिंडवाडा में जन्में दादा प्रेमसूरिजी शिविरों के माध्यम से लाखों युवकों को धर्ममार्ग से जोड़ने वाले आ.श्री भुवनभानुसूरिजी गच्छाधिपति आ.श्री जयघोषसूरिजी मेवाड़ देशोद्धारक आ.श्री जितेंद्रसूरि जी एवं दीक्षा दानेश्वरी आ.श्री गुणरत्नसूरी जी का जीवन परिचय करवाया। परम गीतार्थता, परम संकिनता और उत्कृष्ट कोटि का गुरू समर्पण भाव वह गुरू की ताकत है। पूज्य दीक्षा दानेश्वरी आ.श्री गुणरत्नसूरी जी का जन्म 81 वर्ष पूर्व राजस्थान के जालोर जिले के पादवली गाँव में हुआ। 60 वर्ष पूर्व मुंबई दादर में दादा प्रेमसूरी जी के ड्रापो दीक्षित बने। 25 वर्ष पूर्व जन्मभूम पादरली में सा. बड़े भाई गुरूदेव मेवाड़ दीशोद्धारक आ.श्री जितेंद्रसूरी जी के हाथों से आचार्य पद प्राप्त किया।महाभिषेक का विधान धूमधाम से संपूर्ण हुआ जिसमें हजारों भाग्यशालियों ने लाभ लिया। हंसराजजी ने प्रवचन बाद उपधान तप के आराधकों को आमंत्रित किया और योग्य सूचनाएँ दी।

अपने संस्कारों को रखें सुरक्षित- जंगल वाले बाबा

संसार में कुछ भी असंभव नहीं हो सकता, बल्कि असंभव को भी संभव किया जा सकता है। आज के माँ-बाप बच्चों को समय नहीं दे पाते हैं। बच्चों पर ध्यान नहीं देना, संस्कार नहीं देना, आचार-विचार नहीं सिखाना, दिशा नहीं देना, लाड़-प्यार नहीं देना, सिर्फ पैसा देकर पिंड छुड़ाने का प्रयास करते हैं। और इन्हीं पैसों के बलबूती पर बच्चे पाश्चात्य सभ्यता में रच-बस जाते हैं।

अभिभावकों को समझाना चाहिये- शादी का क्या अर्थ हो? संतान को जन्म देने का उद्देश्य क्या हो? हमने अपनी जिम्मेदारी को कहाँ तक निभाया? आज युवा पीढ़ी का मन अस्थिर हो गया क्योंकि उनमें सहिष्णुता,सरलता,सहनशक्ति समाप्त हो गयी है। व्यक्ति आज सिर्फ स्वार्थ सिद्ध करने को समझदारी समझ रहा है। हमारी संस्कृति की रक्षा की भावना कहीं नहीं है। जिससे स्थिति भयानक बनती जा रही है। बिगड़े खान-पान के कारण युवा दिशाशून्य हो गया है, संवेदना हीन हो गया है।

संस्कार देने से, सही दिशा देने से युवा पीढ़ी सुधरेगी। गौताला में १ लाख लोगों ने माँस-मदिरा का त्याग किया। इसका प्रमाण युवा संभलेगा, घर,परिवार, समाज, देश संभलेगा। शादी का उद्देश्य विषय वासना में व्यस्त रहना ही बन गया है। आज कटिंग,सटिंग, पैसा, कपड़ा, सुंदरता, कोठी, बंगला देखा जा रहा है। संस्कार, आचार-विचार को नहीं देखा जा रहा है। स्वस्थ संस्कार वाले बच्चे-बच्चियाँ ही हमारे सुख का कारण होंगे। पैसा साधन सुख का कारण नहीं। अच्छा खान-पान, अच्छे आचार-विचार, सु-सोच ही हमारे जीवन को सुरक्षित रख सकती हैं।

श्री नाकोड़ा भैरव महापूजन का विराट आयोजन

मुंबई। प. पू. आगमोद्धारक, बहुश्रुत आगम मंदिरों के संस्थापक आचार्य देवश्री आनंदसागरसूरीश्वरजी म. सा. की यशस्वी परम्परा के प्रौढ़ प्रतिभावंत, जिनशासन शणगार, तपोमूर्ति गच्छादिपति दादा गुरुदेव श्री दर्शनसागर सूरीश्वरजी म. सा. के पट्टप्रभावक संगठन प्रेमी, निडरवक्ता प. पू. आचार्यदेव श्रीनित्योदयसागरजी म. सा. एवं जप-ध्यान-निष्ठ-जन-जन के आस्था के केंद्र, श्री नाकोड़ा भैरव दर्शन धाम महातीर्थ, मुंबई के संस्थापक व प्रेरक, ओजस्वी वक्ता, महामांगलिक सम्राट, शासन प्रभावक राष्ट्रसंत प. पू. आचार्य गुरुदेव श्री चन्द्राननसागर सूरीश्वरजी म. सा. की परम प्रभावी पावन निश्रा में चमत्कारी श्री नाकोड़ा भैरवनाथ दादा की 1008 सहजोड़े सहित सामूहिक श्री नाकोड़ा भैरव महापूजन का विराट आयोजन 15-12-13 के शुभ दिवस को श्री नाकोड़ा भैरव दर्शन धाम महातीर्थ, मुंबई में किया जाने वाला है। ज्ञात हो कि इससे पहले भी स्वप्ननगरी मुंबई को धर्मभूमि में परिवर्तित करने हेतु प्रथम बार पूज्यश्री के सानिध्य में 1008 सहजोडे सहित सामूहिक श्री नाकोड़ा भैरव महाभक्ति का विराट आयोजन परेल में किया गया था। इस सामूहिक महापूजन का प्रकट प्रभाव सभी ने देखा। पूजन पश्चात अपने जीवन में आये अमूल्य परिवर्तन को भी स्वीकार किया। आज सम्पूर्ण विश्व आर्थिक मंदी से जूझ रहा है व अनेक प्रकार की विषमताओं का सामना कर रहा है। इस संकट से हमारा समाज भी अछूता नहीं है। इसी पीड़ा को ध्यान में रखते हुए और जैन समाज के उद्धार हेतु राष्ट्रसंत प. पू. गुरुदेव श्री चन्द्राननसागर सूरीश्वरजी म. सा. ने एक बार फिर से महापूजन का आयोजन करने का निर्णय लिया है। श्री नाकोड़ा भैरव के अलौकिक चमत्कार को सभी मानते हैं।

सामूहिक पूजन-जप-हवन आदि से सम्पूर्ण आभामंडल में विशेष देवी-देवता द्वारा सकारात्मक तरंगे संचारित होती है और हमारे मन की इच्छाओं को पूर्ण करती है। सामूहिक का अर्थ है, समूह, हित, समस्त जनसमूह के लिए हित की मंगल कामना करना। जब व्यक्ति अकेले तप-जप-साधना करता है तो वह प्रभु के समक्ष मै बनकर स्वयं की फल प्राप्ति की इच्छा रखता है किन्तु वही साधना समूह में होती है तो वह हम बनकर सर्वहित की का निर्माण करती है। अर्थात सामूहिकता व्यक्ति को मै (जिसमे स्वार्थ,अहम,मोह आदि) का त्याग करवाकर हम (जिसमे मैत्रीभाव,समतुल्य,वर्तन,समता,करुणा आदि) से परिचित करवाती है। इन्ही भावनाओं से हमारा व्यवहार-आचार-विचार सर्वहितकारी हो जाता है और यदि उसमे सुगुरु का संगाथ मिल जाय तो प्रभु के समीप होने का अहसास होता है हमें बेहद गर्व है कि हम उन गुरुदेव के पथगामी हैं जिन्होंने तप, सत्य, अहिंसा, संयम,साधना का संकल्प लेकर मर्यादित आदर्श का निर्माण कर समाज को नई दिशा प्रदान करने की ओर अग्रसर है। इस महापूजन के भव्य आयोजन में करीब पांच हजार से भी अधिक श्रावक-श्राविकाएं सम्मिलित होंगे। इस अवसर पर गुरुभक्त श्रावकगण मुंबई के अतिरिक्त मुंबई, गुजरात, पुणे, मद्रास, सूरत आदि शहरों से विशेष रूप से पधारेंगे।

पूज्यश्री के साथ बालमुनि श्रीमननचंद्रसागरजी म. सा., प. पू. नूतनमुनि अर्हमसागरजी म. सा. आदि गुरुदेव एवं मालवदेश दीपिका विदुषी साध्वीश्री मनोहर-इंदु-हेमेन्द्र-चारुदर्शाश्रीजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी शिष्या प. पू. साध्वीश्री कल्पिताश्रीजी म. सा., प. पू. साध्वीश्री चारुताश्रीजी म. सा. (बेन म.), प. पू. साध्वीश्रीआशिताश्रीजी म. सा., प. पू. साध्वीश्री रिषिताश्रीजी म. सा. आदि भी ने भी उपस्थित होकर इस महाआयोजन में सम्मिलित होने की घोषणा जाहिर की है।

दान से धन की शुद्धि होती है , ज्ञान से मन की शुद्धि होती हैं । दानी कहीं अहंकारी ना हो जाय तथा ज्ञानी कहीं अभिमानी ना हो जाय इसलिए भक्ति इन दोनों पर अंकुश का काम करतीहैं । भक्ति सोने पर सुहागे का काम करती हैं ।

संपादकीय

संतो पर आस्था डिगा सी गई है

हमारे भारत देश में एक ऐसा बड़ा वर्ग है जिसका मानना है कि ईश्वर को पाने का या ईश्वर तक अपनी बात पहुंचाने का सबसे सरल व सहज माध्यम है संत महात्मा। ऐसी ही सोच ने आसाराम जैसे तथाकथित बाबाओं और साधुओं को भगवान की श्रेणी में ला खड़ा किया। आसाराम पर जो आरोप लगे है या लग रहे हैं। व सिद्ध होगें या नहीं। यह अलग बात है पर इतना तो तय है कि इन सब घटनाओं ने लोगों की आस्थाओं पर प्रहार जरुर किया है। इन बाबाओं की शरण में जाने वाले अक्सर वे लोग होते है जो मेहनत से अपना काम करना नहीं चाहते लेकिन बाबाओं के मार्फत भगवान से यह कामना करते है कि उनकी मुंह मांगी मुराद जल्द पूरी हो जाए। वे लोग यह चाहते है कि संत-बाबा, साधु बाबा उनकी किस्मत चमका देंगे।

लेकिन यह ध्यान रहे कि ऐसे ठगी बाबा सिर्फ आपकी भावनाओं को भुनाकर आपका देहिक आर्यक और मानसिक शोषण ही करेंगे।

"उदासीनता समाज हित में नहीं"

-अविनाश चौराड़िया जैन (राष्ट्रीय अध्यक्ष, जैन कॉन्फ्रेंस)

इस आलेख के माध्यम से मैं प्रथम बार समाज के सभी जिम्मेदार लोगों से एक पीड़ा बयान कर रहा हूँ। इस पीड़ा के प्रति मैं स्वयं को भी जिम्मेदार मानते हुये निवेदन करना चाहता हूँ कि हमारा समाज आवश्यक निर्णयों को लेने में उदासीनता बरतने से बचें। क्योंकि यह उदासीनता ही बूँद-बूंद इकट्ठी होकर एक गहरे समुद्र में बदल जाती है। जिसकी लहरें कभी भी तट तोड़कर मानसिक अशांति की सूनामी ला सकती हैं। क्या हम इस खतरे को उठाने के लिये तैयार हैं? या भविष्य की योजना बनाकर भावी पीढ़ी का उत्साह जगाने के लिये संकल्पबद्ध हैं? निर्णय हमें ही लेना है। आज का समय किसी और पर उंगली उठाकर किसी और को दोषी ठहराने का नहीं है। भावी पीढ़ी हमारे निर्णयों को सतर्कता पूर्वक देख रही है। इसकी अनदेखी न की जाये। यदि हमें अपने कद और पद का ज्ञान-गुमान है तो हमें उसके अनुसार कर्त्तव्य भी निभाना होगा। वह समय चला गया जब हम उदासीन रहकर स्वयं को निर्दोष बताया करते थे। आज का समय चुनौतियों को हृदय से अनुभव करते हुये अपनी जिम्मेदारियों को समझने का है। मैं विशेष कर चतुर्विध संग के अग्रसर उनत्यागात्माओं से प्रार्थना करना चाहता हूँ जिनके आदेस पर हमारा संघ चलता है, हमारा समाज चलता है। हमारा समाज यदि इसी वर्ग में कर्त्तव्यों के प्रति उदासीनता का वातावरण देखता है तो एक गहरी निराशा भयावह दृश्य के रूप में उपस्थित होकर डराने लगती है। इससे हमें बचना होगा, सभी को अपनी जिम्मेदारियों से गहराई से जुड़कर जवाबदेह बनना होगा। उदासीनता से समाज नहीं चल सकता, आगे नहीं बढ़ सकता। आज का समय अनेक प्रकार की परिस्थितियों एवं दबावों को झेलते हुये आगे बढ़ने का है। विश्व भर में मनुष्य जाति के सामने एक ही समस्या है कि लोग अपनी उदासीनता को त्यागकर कर्मठता को चुनें। स्पष्ट शब्दों में कहूँ तो जिसे जोखिम उठाना कहते हैं। उसकी आज बड़ी जरूरत है। हमारा स्थानकवासी जैन समाज तो इस मामले में बड़ा ही पिछड़ता जा रहा है। हम लोग घोषणा करके भी पीछे हट जाते हैं। आवश्यक निर्णयों को भी अनिश्चित काल तक टालने की हमारी प्रवृत्ति किसी भी लिहाज से सम्मान का विषय नहीं है। इस पर गभीरता से सोचना होगा। व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद करने के लिये आखिर किसने हमें रोका है? इस बात को हमारे सुप्रीम लोग तक क्यों नहीं समझ पा रहे हैं? आखिर वो किस घड़ी का इंतजार कर रहे हैं? जो हर प्रकार से सुखद होगी? किसी को किसी प्रकार की दैहिक, दैविक पीड़ा नहीं होगी? क्या ऐसा समय कभी आ सकता है? मैं समझता हूँ कि सहानुभूति बटोरने से नहीं कर्त्तव्य पालन करने से मिलती है। समाज आगे बढ़ता है, समाज आगे बढ़ेगा। किंतु आज का काम कल पर, और कल का काम अनिश्चित काल तक टालने से संघ समाज का भला नहीं होगा। हो सकता है कि मैं गलत होउं, लेकिन ये बहस का मुद्दा तो है ही। इस बात को डॉ. चौधरी के काव्यात्मक शब्दों में कहूँ तो यह जरूर कहना चाहूंगा कि-

जो खुद से बढ़कर कुछ भी यहाँ मानते नहीं हैं,
शायद वह आसमां की हद को जानते नहीं।
आईना इस जहाँ को दिखला रहे हैं वो,
खुद की हकीकतों को जो पहचानते नहीं॥

क्या हमारी स्थिति इससे अलग है? क्या हम अपने आप को भी इतना बड़ा मानने लगे हैं कि किसी किये गये वायदे को पूरा नहीं करना चाहते? किसी को दिये गये आस्वासन को समय आने पर भूल जाते हैं। विचार करें? क्या इससे समाज में निराशा का वातावरण नहीं बनता? क्या आने वाली पीढ़ी इस तरह की टाल मटोल से क्रोधित और निराश नहीं होती? यदि हमें यह समझ में आ जाये, जल्दी समझ में आ जाये तो हमारा समाज गर्व और गौरव से एक उन्नत समाज कहे जाने का हकदार होगा। वरना जो हालात चल रहे हैं, उससे तो कोई आशा नहीं बनती। इन्हीं सब्दों के साथ मैं इस मुद्दे पर सभी लोगों से एक आह्वान करना चाहता हूं कि वे अपनी आवाज उठायें और वातावरण बदलने में सहायक बनें, आपकी राय का इंतजार करते हुये मैं आपका ही एक सहयोगी, एक समाज सेवक........

जैन स्टार facebook

(Jain star Readers Forum)

Jainstar@groups.facebook

कविता

हमारी बातें भी उन्ही से थी अब तक,
हमारी चाहतें भी उन्ही से थी अब तक,
जब हुए वो हमसे खफा, तब जाना,
हमारी हंसी भी उन्ही से थी अब तक !

हमारी धड़कन उन्ही से थी अब तक,
हमारी रूह उन्ही से थी अब तक,
जब हुए वो हमसे जुदा, तब जाना,
हमारी साँसे भी उन्हें से ही अब तक !

हमारी वफाएं भी उन्ही से थी अब तक.
हमारी दुआएं भी उन्ही से थी अब तक,
जब हुए वो हमसे बेवफा, तब जाना,
हमारी सदायें भी उन्ही से थी अब तक !

हमारी तमन्नाएं भी उन्ही से थी अब तक,
हमारी जिन्दगी भी उन्ही से थी अब तक,
जब हुए वो हमसे रुसवा, तब जाना,
हमारी हस्ती भी उन्ही से थी अब तक !!

लेखक- पुनीत जैन

कविता

टूट चुके हैं हम वक़्त के साथ कुछ ऐसे,
पतझड़ में वीरानियाँ छा गयी हों जैसे,
चेहरे की मुस्कान लेकर कोई ना जाने कहाँ गया,
मोतियों से पिरोया वो हर एक सपना टूट गया,

इस दुनिया से अपने ज़ख्म छुपाऊं मैं कब तक,
इतने हैं की अब तो साफ़ नज़र ये आते हैं ...
ठहर जाये जो कहीं.... वो हवा मैं नहीं,
गरजते बादलों में भी चलते ही जाते हैं,

कोई छोड़ता नहीं यहाँ कहने में कुछ भी,
मेरे अपने भी जैसे मुझपे तरस खाते हैं,
रेत की तरह हाथों से फिसलती ये जिंदगी...
साहिल मुझे मिल के भी मिल नहीं पाते हैं,

मेरी आँखों को पढने की कोशिश करना भी मत,
इनमे तेज़ लहरों के साथ सैलाब उठ आते हैं,
कोई कर ले कोशिश कितनी भी समझने की मुझे,
हम खुद हर पल एक नयी निधि खुद में पाते हैं

लेखिका - निधि पाण्डेय

STAR FAST NEWS

ठाणे में 196 मेडिकल स्टोर लायसेंस रद्द

ठाणे। फार्मासिस्ट के बिना मेडिकल स्टोर चलानेवाले तथा ग्राहकों को बिल नहीं देने वाले ३७१मेडिकल स्टोर के खिलाफ ठाणे फूड ऐंड ड्रग विभागने कार्रवाई की है। पिछले छह माह के दौरान विभाग ने मेडिकल स्टोर्स पर छापा मार कर यह कार्रवाई की।विभाग की इस कार्रवाई से मेडिकल स्टोर संचालकों में जहां हड़कंप मच गया है। पिछले छह माह के दौरान ठाणे जिले के ऐसे १९६ मेडिकल स्टोर्स के लाइसेंस रद्द कर दिए गए , जिन्होंने अपने यहां फार्मासिस्ट नहीं रखे थे। विभाग ने ठाणे शहर में ४४ , मीरा-भायंदर में २२, वसई में २७, डहाणू - पालघर में १८, कल्याण - डोंबिवली - उल्हासनगर में २८, नवी मुंबई में २३, भिवंडी में ३८, रायगड में ९, सिंधुदुर्ग में १ तथा रत्नागिरीमें ८ दुकानों के लाइसेंस रद्द किए गए हैं। इसके अलावा बिल न देने वाले १७५ मेडिकल स्टोर्स के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम १९४० के तहत की गई इस कार्रवाई में विभाग केअधिकारियों ने बताया कि दवा का बिल न देने पर मेडिकल स्टोर का लाइसेंस ३० से ९० दिन के लिए निलंबित करने का प्रावधान है।

इन्दिरा कॉम्पलेक्स में भोजन शाला का शुभारंभ

मीरा भायंदर! साध्वीश्री मयणा श्रीजी की प्रेरणां से भगवान श्री शंखेश्वर पार्श्व नाथ जैन ट्रस्ट रत्नदीप इन्दिरा कॉम्पलेक्स के तत्वाधान मे भगवान श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन भोजनशाळा का शुभारंभ रविवार सुबह १० बजे इन्दिरा कॉम्पलेक्स(भायंदर वेस्ट) में किया जायेगा। भोजनशाळा के लाभार्थी बिल्डर दिलीपकुमार लालचंदजी पोरवाल परिवार (लीना ग्रुप)है। श्री शंखेश्वर पार्श्व नाथ जैन ट्रस्ट रत्नदीप इन्दिरा कॉम्पलेक्स ने जैन भोजनशाळा के शुभारंभ पर सकळ जैन संघ की उपस्थिति का निवेदन किया है।

कईओ ने किया राजनीति मैदान में भाजपा प्रवेश

मीरा भायंदर। भायंदर पच्छिम के ६० फीट रोड पर भाजपा मंडल की ओर से आयोजित पार्टी प्रवेश कार्यक्रम में ललित परमार,अखिल भारतीय जनसंघ के मीरा भायंदर अध्यक्ष भवर मेहता ,लायंनेस क्लब मीरा भायंदर की अध्यक्षा पुष्पा जैन, प्रेरणा मंडल की मीना पटेल,सुलोचना जैन, हस्तीमल शाह,सतीश मेहता,अभिषेक जैन ,जीतेन्द्र पुनमिया,राहुल एंड ग्रुप, विशाल भोजक ग्रुप, किरीट शाह ग्रुप, अनिल सिंह सहित कई लोगो ने भाजपा का दामन थामा। बारिश के बीच आयोजित रैली में सभा की शुरुआत में नगर सेविका गीता जैन ने नपे -तुले शब्दों में कांग्रेसी सरकार पर कड़े प्रहार करते हुए उपस्थित लोगो से भाजपा से जुड़ने की अपील की। मंच संचालक ललित परमार ने अपने प्रवेश पर कहा कि भगवान राम का वनवास १४ वर्ष बाद समाप्त हुआ इस कल युग में, मै १२ वर्ष का वनवास भोगकर घर वापस आ रहा हू जिसकी मुझे अपार खुशी है। आखिर घर-घर होता है। धनराज अग्रवाल ने परत दर परत कांग्रेसी घोटालो की दास्ता बयान करते हुए कहा कि आज महंगाई ने आम आदमी की थाली से सब -कुछ गायब सा कर दिया है भाजपा जिला अध्यक्ष नरेन्द्र मेहता ने अपना पूरा भाषण मीरा भायंदर पर केन्द्रित रखते हुए जमकर रांकपा नेता गिल्बर्ट मेंड़ोंसा पर निशाना साधा। नरेन्द्र मेहता ने कहा कि एक ने अपनी बेटी को महापौर तौ दुसरे ने अपनी माँ को उप महापौर बनाया। विशेष अतिथि संजय केलकर ने सभी आंगतुको का आभार माना। कार्यक्रम में डा रमेश जैन ,डा राजेंद्र जैन .डा सुशिल अग्रवाल.शरद पाटिल, निलेश सोनी,दिनेश जैन गीता जैन, करिश्मा पुनमिया, प्रतिभा पाटिल जैन डा उदय मोदी सहित कई उपस्थित रहे।

जैन शक्ति का राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न

प्रशांत जवेरी,मुंबई

मुंबई। जैन शक्ति का राष्ट्रीय अधिवेशन बिरला मातोश्री सभागृह में संपन्न हुआ। विधायक मंगलप्रभात लोढ़ा ने समारोह की अध्यक्षता की। अधिवेशन में जैन समाज के बारे में व्यापक चर्चा हुई। मंगलप्रभात लोढ़ा ने सस्था के कार्यों एवं उद्देश्यों की सराहना की। चंद्रराज सिंघवी ने समाज सशक्तिकरण एवं समाज के व्यापक हित में समाज के लोगों को राजनीतिक क्षेत्रों में आने की आवश्यकता पर बल दिया। मध्यप्रदेश के अति पुलिस महासंचालक पवन जैन ने चारों संप्रदायों के बीच में व्यापक समन्वय एवं समाज के संगठन पर जोर देते हुये इसकी आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

जीतो के संस्थापक स्तंभ एवं महावीर इंटरनेशनल के अध्यक्ष शांतिलाल कवाड़ ने समाज के बारे में अपने चिंतन को सभा के सामने रखते हुये हर क्षेत्र में समाज के सशक्तिकरण पर बल दिया। मा. विधायक मनीष दादा जैन ने सभी संप्रदायों के बीच में एकता की भावना को आज के समय की आवश्यकता बताया। समारोह के मुख्य अतिथि मदन मुथलिया ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुये संस्था के हाथ मजबूत करने का आव्हान किया। माले गणराज्य की उच्चायुक्त स्मिता मांडविआ विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह में गिरीश शाह को उनके जीवदया एवं मानवता को समर्पित कार्यों के सम्मान हेतु जैन शक्ति सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने समस्त महाजन की तरफ से रामपुर गौशाला को 15 लाख का चेक प्रदान किया। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र लोढ़ा ने सभी का स्वागत किया तथा राष्ट्रीय महामंत्री कनक परमार ने संस्था की गतिविधियों एवं उपलब्धियों को समाज के सम्मुख प्रस्तुत किया और संस्था के कार्यों का अखिल भारतीय स्तर पर विस्तार योजना के अंतर्गत चार प्रमुख राज्यों में संस्था के गठन की घोषणा की। पदमचंद जैन को राजस्थान, मुकेश कोठारी को गुजरात तथा अजय जैन को मध्यप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ का संस्थापक प्रभार सौंपा गया।

देशभर में मनाया जा रहा है पुष्कर जन्मोत्सव समारोह

मुंबई। साधना के शिखर पुरुष पूज्य गुरुदेव श्री पुष्कर मुनि जी का १०४ वां जन्म जयन्ती समारोह देश भर में आयोजित हो रहा है। गुरुदेव श्री पुष्कर मुनि जी की कर्म स्थली उदयपुर स्थित गुरु पुष्कर पावन धाम, श्री तारक गुरु जैन ग्रन्थालय में १७ अक्टूबर २०१३ को रक्तदान शिविर का आयोजित होगा।

मुम्बई के खार क्षेत्र में चातुर्मासरत श्रमण संघीय सलाहकार श्री दिनेश मुनि जी, डॉ द्वीपेन्द्र मुनि व डॉ पुष्पेन्द्र मुनि के पावन सान्निध्य मे दिनांक: ६ अक्टूबर २०१३ को राष्टीय स्तर पर समारोह आयोजित हुआ । पुष्करवाणी ग्रुप ने जानकारी देते हुए बताया कि सूरत(गुजरात) में उपाध्याय श्री रमेष मुनि जी व उपप्रवर्तक डॉ. श्री राजेन्द्र मुनि जी के पावन सान्निध्य में २० अक्टूबर को विराट रुप में समारोह रखा गया है । इसी क्रम में तमिलनाडू राज्य के चैन्नई शहर के साहूकारपेट जैन स्थानक में उपप्रवर्तक रत्न श्री नरेश मुनि जी एवं महासाध्वी श्री दर्शनप्रभा जी के सान्निध्य में २० अक्टूबर को भव्य रूप में समारोह आयोजित होगा। इसी प्रकार होसपेट कर्नाटक में उपप्रवर्तिनी महासाध्वी श्री चंदनबाला जी के यहां १७ अक्टूबर, हुबली कर्नाटक में महासाध्वी श्री प्रियदर्शना जी १६ अक्टूबर, चैन्नई मे जैन स्थानक में उपप्रवर्तिनी महासाध्वी श्री सत्यप्रभा जी १७ अक्टूबर, उदयपुर पंचायती नोहरे में उपप्रवर्तिनी महासाध्वी डॉ श्री दिव्यप्रभा जी १३ अक्टूबर, समदड़ी राजस्थान में १७ अक्टूबर, कर्नाटक में २२ अक्टूबर एवं दिल्ली में १७ अक्टूबर, पूना में १७ अक्टूबर, लोहा मंड़ी आगरा में २० अक्टूबर इसके अलावा पाली में १७ अक्टूबर, सूरत में २० अक्टूबर को समारोह आयोजित होंगे

Jain Star

जैन स्टार की पेशकश

आप घर बैठे विज्ञापन बुक कराएं

विज्ञापनों के लिए 9221001250, 022-28172666 पर संपर्क करें

हमारा प्रतिनिधि आपके यहाँ आकर आपका विज्ञापन बुक करेगा

विज्ञापन दरें

पूरा कलर पृष्ठ	(32x24.cm)	25000/-
आधा कलर पृष्ठ	(16x24.cm)	15000/-
चौथाई कलर पृष्ठ	(16x12.cm)	8000/-
बड़ा विजिटिंग कार्ड साईज	(6x12.cm)	3000/-
छोटा विजिटिंग कार्ड	(6x6.cm)	1000/-

Jain Star

जन्मदिन की खुशियां बांटे जैन स्टार के साथ...

प्रिय पाठकों,

अपने परिवार, रिश्तेदारों और मित्रों के 10 साल तक के नन्हें बच्चों के फोटो हमें भेजिए। जैन स्टार में नि:शुल्क प्रकाशित करेंगे। हमें फोटो व निम्न जानकारी जन्म तिथि से 15 दिनों पहले मिलनी चाहिए। बच्चों का नाम, पिता का नाम, जन्मतिथि, निवास का पता, उम्र की जानकारी हमें भेजिये। फोटो भेजने का ई-मेल पता-

jainstarweekly@gmail.com

Jitendra Shah (Eastate Agent)
Mo-9892962619

SONAM

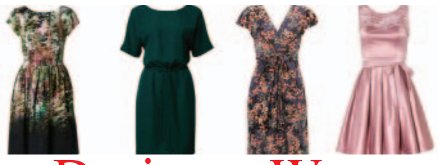

Designer Wear

a womens Choice

Shop No.3, Nakoda Apartment, 60 ft. Road, Bhayandar (W)-401 101.

दूसरों को सुधारने से पहले स्वंय सुधरे

-आचार्य सुकुमाल नंदी

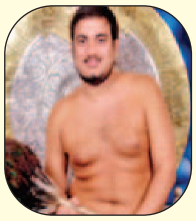

आप भला तो जग भला। हर व्यक्ति दुसरों को सुधारना चाहता हैं। लेकिन स्वंय सुधारना नहीं चहता, अपने मन को वश में करने वाला ही महावीर कहलाता हे। रावण इतना बलशाली था, पराक्रमी था इन्द्र को अपने घर पर सफाई के लिए रखता था। लेकिन सीता के चक्कर में आकर अपने आप का पतन किया बड़ा व्यक्ति बनने से पहले स्वंय आगे होना पड़ता है। जिस प्रकार उड़द की दाल को भिगोकर फिर पिसा जाता है। उसी प्रकार हमें भी श्रध्दा भक्ति में डुबा हुआ रहना चाहिए और ज्ञान रूपी मथनी में आत्म दोषों को मथना चाहिए। उक्त उद्गार आचार्य सुकुमालनंदी ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए आमलियों की बारी में व्यक्त किये। मीड़िया प्रभारी भागचन्द पाटनी ने बताया कि आमलियों की बारी में आचार्य सुकुमालनंदी जी के सान्निध्य में रत्नकरण्डक श्रावकाचार प्रशिक्षण शिविर नियमित जो प्रात:९ से १० बजे तक चल रहा है।

अज्ञानी दया के पात्र हैं

शास्त्रकार कहते हैं कि कदाग्रही को उपदेश करना, यह कुतिया के शरीर पर कस्तूरी का लेप करने के बराबर है। वास्तव में दुराग्रही के लिए ज्ञानी के वचन भी बेकार हैं। इतना ही नहीं, अपितु ये तो ज्ञानियों के दुश्मन होते हैं और दुश्मनों को भी बढाते हैं।

ऐसे दुश्मन रूप से बढें और दुश्मनों को बढ़ाएँ इसी में ही ज्ञानी की महत्ता सूचित होती है। ज्ञानी के पीछे अज्ञानियों का बहुत बडा टोला होता ही है, यह सनातन नियम है। सम्यक्त्व और मिथ्यात्व यह शाश्वत चीज है। सम्यक्त्व का मार्ग स्थापित होता है कि मिथ्या-मार्ग के अंकुर फूटने लग जाते हैं। इस दुनिया में जिस प्रकार तिरने और तिराने वाले होते हैं, उसी प्रकार डूबने और डुबाने वाले भी होते ही हैं। संसार की पिपासा जिनके रोम-रोम में व्याप्त है और जो मोक्ष के ही शत्रु हैं, वे ज्ञानी के शत्रु बन कर शत्रु बढाने के सिवाय दूसरे काम करें भी क्या? अज्ञानी जो विरोध करते हैं, वे तो दया के पात्र ही हैं।

तरुणसागरजी की गर्जना

जिसे सोने के लिये नींद की गोली नहीं खानी पड़ती है और जागने के लिये अलार्म की जरूरत नहीं पड़ती वह दुनिया का सबसे सुखी इंसान है। जो फर्ज निभाता है लेकिन किसी का कर्जदार नहीं है, वह सुखी है। जो अपनी मेहनत पर भरोसा रखता है और हर परिस्थिति में मुस्कुराता है, वह सुखी है। संपन्न घरों में सब लंगड़े-लूले हो गये- पानी पिलाने के लिये नौकर। खाना पकाने के लिये नौकर। झाड़ू पोछा लगाने के लिये नौकर। मां-बाप बूढ़े हो गये, तो उनकी सेवा के लिये नौकर। मुझे तो डर लगता है कि कहीं कल ऐसा ना हो कि पत्नी से प्यार करने के लिये भी नौकर रखना पड़े। अंजाम के बारे में सोच लें आप बुद्ध हैं या बुद्धु, स्वयं सोचिये।

परोपकार के अभाव में जैनत्व नहीं

-आचार्यश्री विजय रामचन्द्रसूरीश्वरजी महाराजा

आपके हृदय में जो-जो इच्छाएं जागृत होती हों, उन इच्छाओं का पृथक्करण करके उन पर जरा विचार करिए तो परोपकार-भाव में जो अनुपमता समाविष्ट है, उसका थोडा खयाल आएगा। परोपकार की उत्कृष्ट भावना के बल से अपने आराधक भाव को प्रबल करके भगवान श्री जिनेश्वरदेवों की आत्माएं जो तीर्थंकर नाम-कर्म की निकाचना करती है, उस उदय से ही उन तारणहार भगवंतों की आत्माएं अंतिम भव में वीतराग एवं सर्वज्ञ बनने के पश्चात् धर्म-तीर्थ की संस्थापक बनती हैं। तत्पश्चात् नित्य दो-दो प्रहर तक अमोघ धर्म-देशना के स्रोत प्रवाहित करके वे अनेक आत्माओं की उद्धारक बनती हैं और विश्व के प्राणीमात्र की उपकारी होती हैं।

भगवान श्री जिनेश्वरदेव हमें जिस मार्ग का उपदेश देते हैं, वह मार्ग ही इतना उत्तम है कि उसे ग्रहण करने पर संसार के जीव मात्र पर उपकार हुए बिना रहता ही नहीं। जो जीव मोक्ष प्राप्त करें और मोक्ष की आराधना करें, उन पर तो परम उपकार होता ही है, परन्तु जिन जीवों ने कभी न तो भगवान देखे हों और न मोक्ष के संबंध में उन्हें कोई ज्ञान हो; ऐसे जीवों पर भी श्री जिनेश्वर प्ररूपित मोक्षमार्ग से उपकार हुए बिना नहीं रहता, क्योंकि श्री जिनेश्वर प्ररूपित मोक्ष जीव मात्र को अभयदान देने की ही प्रधानता से युक्त होता है। यह मार्ग ही ऐसा है कि उसमें अन्य जीवों के लिए अभयदान का अनुराग उत्पन्न हुए बिना, मोक्षमार्ग के प्रति अनुराग उत्पन्न ही नहीं होता; और ज्यों-ज्यों मोक्षमार्ग के प्रति अनुराग में वृद्धि होती है, त्यों-त्यों अन्य जीवों के अभयदान के अनुराग में भी वृद्धि होती ही है। मोक्षमार्ग की आराधना भी अन्य प्राणियों के अभयदान पर आचरण करने से ही हो सकती है और जो जीव मोक्ष प्राप्त करता है, उससे समस्त संसार के जीव सदा के लिए अभयदान प्राप्त करते हैं। मोक्ष प्राप्ति के पश्चात् जीव ऐसा हो जाता है कि वह किसी भी जीव के लेश मात्र भी अहित का निमित्त तो बनता ही नहीं, बल्कि वह जीव भी श्री सिद्धि पद की साधना के लिए अन्य जीवों को प्रेरणा देने वाला होने के कारण वह जीव मात्र के अभय में ही निमित्त बनता है। अब जरा सोचिए कि कोई भी जैन, यदि वह सच्चा जैन हो तो उसमें परोपकार करने की भावना नहीं हो, ऐसा हो सकता है क्या? जो जैन होते हैं, वे परोपकार शिरोमणि श्री जिनेश्वर भगवान के अनुयायी होते हैं। उनके समान परोपकारी संसार में कोई हो ही नहीं सकता। परोपकारपूर्ण मार्ग को स्वतंत्र रूप से प्ररूपित करने वाले एवं धर्मतीर्थ के संस्थापक भी यही हैं। ऐसे उत्तम कोटि के देवों के अनुयायी जैन, ऐसे देवों के उपासक एवं ऐसे देवों की आज्ञानुसार आराधना में ही अपना कल्याण मानने वाले जैन परोपकार भाव से रहित हों, यह असम्भव है। कोई यदि यहां कहे कि मुझ में परोपकार की भावना ही नहीं है तो उसे यह कहना पडेगा कि 'तुझमें जैनत्व का भी सर्वथा अभाव है'।

टार्च का प्रकाश

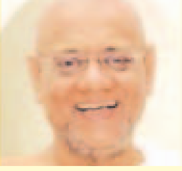

आचार्य विजय रत्न सुंदरसूरिजी

मेरी अपूर्णता मुझे दिखाई ही नहीं देती और औरों की पूर्णता के बारे में अपने आग्रह में मैं जरा-सा भी समझौता करने के लिये तैयार नहीं होता हूँ तो मेरे जीवन में असंतोष और उद्विग्नता नहीं धमकेंगे तो और होगा क्या? पेट के रोगी को मस्तिष्क के रोगी के प्रति सहानुभूति होती है। कैंसर की रोगी को हृदयरोगी के प्रति हमदर्दी होती है। लकवाग्रस्त को अपाहिज के प्रति प्रेमभाव होता है। परंतु न जाने क्यों क्रोधी के मन में अभिमानी के प्रति तिरस्कार ही जागृत होता है। लोभी के मन में मायावी के प्रति द्वेष ही पैदा होता है। धनलंपट, वासना लंपट का चेहरा तक देखने के लिये तैयार नहीं होता है? दुष्परिणाम इसका यह आता है कि मैत्री, क्षमा और प्रेम - ये सभी शुभभाव केवल शब्दकोष के विषय बनकर रह गये हैं। अनुभूति का विषय बनती नहीं हैं। जीवन उत्तम और अनुभव अधम यह वास्तविकता की छोटी मोटी नहीं बहुत बड़ी विडंबना है।

प्रसन्नता ही भविष्य- श्री मणिप्रभसागरजी म.सा

पालिताना। जैन श्वे. खरतरगच्छ संघ के उपाध्याय प्रवर पूज्य गुरूदेव मरूधर मणि श्री मणिप्रभसागरजी म.सा. ने श्री जिन हरि विहार धर्मशाला मे आज प्रवचन फरमाते हुए कहा- कष्ट और दुख की परिभाषा समझने जैसी है। उपर उपर से दोनों का अर्थ एक-सा लगता है, पर गहराई से सोचनेञ्चसमझने पर इसका रहस्य कुछ और ही पता लगता है। कष्टों में जीना अलग बात है और दु:ख में जीना अलग बात है। कष्ट जब हमारे मन को दु:खी करते हैं तो जीवन अशान्त हो जाता है। और कष्टों में भी जो व्यक्ति मुस्कुराता है, वे जीवन जीत जाते हैं। कष्ट तो परमात्मा महावीर ने बहुत भोगे, परन्तु वे दुःखी नहीं थे। उन कष्टों में भी सुख का अनुभव था।

कष्टों को जब हमारा मन स्वीकार कर लेता है, तो यह तो संभव है कि कष्ट मिले, पर वह दुःखी नहीं होता। कष्टों को जब हमारा मन स्वीकार नहीं करता, तो यह व्यक्ति दुःखी हो जाता है। यों समझे कि स्वीकार्य तकलीफ कष्ट है और अस्वीकार्य तकलीफ दु:ख है। कष्टों पर हमारा कोई वश नहीं है। पर दुःख पर हमारा वश है। आने वाले कष्ट तो हमारे पूर्व जीवन का परिणाम है जो भाग्य बनकर हमारे द्वार तक पहुँचा है। पर कष्ट भरे उन क्षणों में दु:ख करना, आने वाले समय में और कष्ट पाने का इन्तजाम करना है। इस दुनिया में हम कष्टों से भाग नहीं सकते। और बचाव के उपाय सदैव सार्थक परिणाम नहीं लाते। कभी कभी हमारे उपाय व्यर्थ भी चले जाते हैं। क्योंकि यह एक अन्तहीन श्रृंखला है। एक कडी तोडते हैं तो दूसरी कडी उपस्थित हो जाती है। पेट दर्द शान्त होता है तो सिर में दर्द पैदा हो जाता है। दु:खती आँख की दवा की जाती है तो अपेन्डिक्स का दर्द उपस्थित हो जाता है। शरीर ठीक रहता है तो मित्र धोखा दे जाता है। मित्र वफादार होता है तो कोई व्यापारी अपनी नीति बदल देता है। व्यापार ठीक रहता है तो परिवार परेशानी खडी कर देता है। पुत्र कहना नहीं मानता। ये सब ठीक रहता है तो कभी झूठे कलंक का सामना करना पड जाता है। निहित स्वार्थों के कारण बदनामी का शिकार हो जाता है। आदि आदि... एक अन्तहीन श्रृंखला! कोई भी कितना भी बडा क्यों न हो, उसे संसार में कष्टों का भोग तो बनना ही पडता है। ऐसी दशा में परमात्मा महावीर की वाणी ही उसे दु:खसे बचाती है। कष्टों से बचाने का तो कोई उपाय नहीं है। क्योंकि वह मेरे कृत्यों का ही परिणाम है। पर उन क्षणों में मेरे चित्त में समाधि का भाव, सुख का भाव कैसे टिके, इस सूत्र को समझ लेना है। और वह सूत्र है- उन कष्टों को मन से स्वीकार कर लेना! जो मिला है, जैसा मिला है, मुझे स्वीकार्य है। क्योंकि मेरे अस्वीकार करने से स्थिति बदल तो नहीं जायेगी। अस्वीकार करने से मात्र दु:ख मिलेगा, पीडा मिलेगी और मिलेगी चित्त की विभ्रम स्थिति! इससे बचने का उपाय है- प्रसन्नता से स्वीकार करना! यह प्रसन्नता ही हमारे भविष्य की प्रसन्नता का आधार बन जायेगी। मुनि मनीषप्रभसागरजी म. ने उपधान की सभा में कहा कि आज मैं परमात्मा महावीर के शासन, शब्द और भाव से अनुप्राणित हूँ। परमात्मा की शक्ति ने मुझे कर्जा चुकाने योग्य बनाया है... तो मैं आनन्द से चुका रहा हूँ। कर्जा चुकने में सहायता करने वाले के प्रति कृतज्ञता का भाव है। यह सत्य समझ में आने के बाद जीवन में कषाय नहीं रहता। सुख देने वाला उपकारी है और दुख देने वाला महा उपकारी!

पोस्टल पंजीयन नंबर एमएच/एमआर/ठाणे (वे)/171/2013, आर.एन.आई. पंजीयन नंबर MAHHIN/2013/50050

जैन स्टार

● वर्ष: 1 ● अंक: 24 ● संपादक: दिनेश कोठारी ● ठाणे, रविवार, 13 से 19 अक्टूबर 2013 ● पृष्ठ: 8 ● मूल्य:10/-

॥सुविचार॥

जीवन में ऊंचे उठते समय लोगों से सद् व्यवहार रखें, क्योंकि यदि कभी आपको नीचे आना पड़ा तो सामना, इन्हीं लोगों से होगा।

लड़कियों संग अय्याशी करते बाप तो बेटी करती थी पहरेदारी

जोधपुर। विदेशी भक्तों के पापा और देशी भक्तों के बापू आसाराम के कुकर्मों की अनगिनत कहानियां हैं। आसाराम पर लगे कलंकों का दलदल इतना गहरा कि अब उसमें उनकी पत्नी लक्ष्मी और बेटी भारती भी बुरी तरह फंस गई हैं। आसाराम की संगत में चंबल के ना जाने कितने डाकू सुधरे इसका तो ब्यौरा नहीं है मगर हर रोज उन नई लडकियों की फेहरिस्त जरूर सामने आ रही है जिनका इल्जाम है कि आसाराम की संगत ने उन्हें बर्बाद कर दिया। अब इसी कड़ी में आसाराम के कई राजदार और पीड़िता सामने आ रहे हैं और उनके काले पर्दों को बेपर्दा कर रहे हैं।

सूरत के पुलिस स्टेशन में आसाराम और उनके बेटे नारायण साईं पर बलात्कार का आरोप लगाने वाले दो सगी बहनों ने ये भी खुलासा किया है कि आसाराम की बेटी भारती उस एकांतवास (ऐसी जगह जहां आसाराम लड़कियों के साथ रंगरलियां मनाते थे) की पहरेदारी करती थी जिसमें आसाराम महिला भक्तों के साथ अय्याशी किया करते थे। पीड़िता ने बताया कि भारती को जैसे बोला जाता था वैसा वो करती थीं, रुकने के लिये बोला जाए तो रुकती भी थी। वहीं लक्ष्मी की भूमिका के बारे में उसने बताया कि वो लड़कियों को आश्रम से भेजती थी, बापू उन्हें बोलते थे आज उसे भेजना है, आज उसे भेजना है। दोनों उनके लिए लड़कियों को तैयार करती थीं। मां-बेटी की जोड़ी लड़कियों के मन में ये बैठाने का काम करती थी कि आसाराम और नारायण साईं उनका कल्याण कर रहे हैं।

अब शाकाहारी व मांसाहारी जैन होने का खतरा: तरुण सागर

जयपुर। मुनि तरुण सागर ने कहा कि भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण के बाद इन २५०० वर्षों में जैन समाज कभी दिगंबर-श्वेतांबर, कभी मूर्तिपूजक और स्थानकवासी, तो कभी तेरहपंथी और बीसपंथी के नाम से बंटता रहा है, लेकिन आज अगर नई पीढ़ी को जैनत्व के संस्कार नहीं दिए तो आने वाले समय में जैन समाज में एक बंटवारा और सुनिश्चित है और वह बंटवारा इतना खतरनाक है कि खुद महावीर भी हमें क्षमा नहीं कर सकेंगे।

वह बंटवारा होगा शाकाहारी जैन और मांसाहारी जैन का। सकल जैन समाज व चातुर्मास समिति द्वारा सुबोध कॉलेज में हुए श्वेतांबर व दिगंबर जैन संतों के ऐतिहासिक क्षमावाणी समारोह में उन्होंने कहा कि बच्चों को तो गधे-घोड़े भी पाल लेते हैं। आप उन्हें केवल गोद में ही न बिठाएं, वरन जैनत्व के संस्कार भी दें, ताकि वे मूलधारा से भटक न पाएं। जैन समाज को शांतिप्रिय व अहिंसक समाज होने की छवि सदियों की तपस्या के बाद मिली है। इसे बनाए रखने की जिम्मेदारी नई पीढ़ी को जैनत्व के संस्कार देकर दें। कार्यक्रम में जैन समाज के सभी पंथों के संत-मुनि मौजूद थे। मुनिश्री तरुणसागरजी के अलावा मुनिश्री चंद्रप्रभ, मुनिश्री ललितप्रभ, मुनिश्री सिद्धसेन, सुबोध मुनि, आर्यिका सम्यक मती भी मंच पर मौजूद थी।

मुनिश्री चंद्रप्रभजी ने कहा कि दिलों में दूरियां हैं तो धर्म, उपवास और मासखमण जैसी तपस्याएं व्यर्थ हैं। क्षमा के द्वार से गुजरकर मोक्ष तक पहुंचा जा सकता है। जो झुकता है वही पाता है। झुकना जिंदा होने का सबूत है। बालाचार्य सिद्धसेन ने कहा कि क्षमा मांगना, क्षमा करना जैनधर्म की विशेषता हैं। सभा को सुबोध मुनि, आर्यिका सम्यक मती ने संबोधित किया। क्षमावाणी के रूप में जैन संतों ने गले लगकर एक-दूसरे से क्षमायाचना की। जब संत गले मिल रहे थे तो इस अद्भुत दृश्य को देखकर पूरी सभा भावविभोर हो उठी।

मोदी की सफलता के लिए मुस्लिमों ने चढ़ाई चादर

पटना। भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी की २७ अक्टूबर को प्रस्तावित हुंकार रैली की सफलता के लिए शनिवार को मुस्लिमों ने चादर चढ़ाई। बिहार हाई कोर्ट मजार पर चादरपोशी के बाद भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष व भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री अब्दुल रहमान ने कहा कि मुस्लिम भाई नरेंद्र मोदी को देश के प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि देश के मुसलमानों को विकास, शिक्षा, समृद्धि और शांति चाहिए। यह उचित नहीं है कि भाजपा का भय दिखाकर सिर्फ वोट के लिए उनका इस्तेमाल किया जाए।

वोट देने से पहले चरित्र को परखें

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने लोगों से आगामी लोकसभा चुनाव में उम्मीदवारों का चरित्र परख कर ही वोट करने की अपील की है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ईवीएम में राइट-टू-रिजेक्ट का बटन आ जाने के कारण उन्होंने मतदान करते वक्त अतिरिक्त सावधानी बरतने को भी कहा है। नागपुर में रविवार को विजयदशमी समारोह में संघ प्रमुख ने कहा, वोट करने से पहले उम्मीदवार का चरित्र भांपने के साथ संबंधित पार्टी की नीतियों को भी परखें। हमें मुद्दों पर मतदान करना चाहिए। उन्हीं दलों को वोट देना चाहिए जो राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखें और उन्हीं उम्मीदवारों को जिताना चाहिए जो ईमानदार हों। उन्होंने कहा कि संघ राजनीति में नहीं पड़ा, उल्टा राजनीति ही संघ की गतिविधियों में बाधक बनती है। भागवत ने केंद्र सरकार पर चोट करते हुए कहा,कि डांवाडोल आर्थिक हालात के लिए सरकार की नीतियां जिम्मेदार हैं। देश के आर्थिक हालात आम आदमी की जेब पर सीधा असर डालते हैं। लोग आज खुद को महंगाई के भारी भरकम बोझ तले दबा महसूस कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपये की गिरावट को थामने के लिए सरकार को हर हथकंडा अपनाना पड़ रहा है। यह दिखाता है कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण देश आर्थिक मुश्किलों में फंस गया है। सीमा पर पाकिस्तान और चीन की बढ़ती घुसपैठ के लिए भी उन्होंने केंद्र की नीतियों को जिम्मेदार बताया।

शाकाहारी जागरुकता दिवस 16 व 17 नवंबर को

नई दिल्ली। श्री फोर्ट ऑडिटोरियम में पशु कल्याण सोसायटी शाकाहारी जीवन शैली के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए १६ और १७ नवंबर को दो दिन के कार्यक्रम आयोजित करेगा इस आयोजन में १००० से अधिक स्कूल और कॉलेज के शिक्षकों और छात्रों ने हिस्सा होने की उम्मीद है आयोजन में .प्रसिद्ध न्यूरो सर्जन डॉक्टर डी सी जैन की सक्रिय भूमिका है। डॉक्टर जैन का नाम परोपकारी गतिविधियों के साथ जुड़े होने के लिए जाना जाता है। दो दिन के इस अयोजन में शाकाहार और लत मुक्त जीवन शैली के बारे में युवा बच्चों को एक मजबूत संदेश दिया जायेगा। शाकाहार और लत मुक्त जीवन शैली से ही स्वस्थ और खुश भारत की परिकल्पना की जा सकती है। आज सम्पूर्ण भारत में तेजी से बदल रही जीवन शैली के कारण, अस्वास्थ्यकर भोजन की आदतों से स्वास्थ्य समस्याओं मे जबरदस्त वृद्धि नोट की जा रही हैं। इसके अलावा छात्रों और युवा लोगों को हर छठा व्यक्ति मधुमेह , मोटापा , कैंसर, किडनी रोग और दिल का दौरा जैसे रोगों से प्रभावित है। जो चिंता का विषय है। इस कार्यक्रम मे फल और सब्जियों के खाने के साथ साथ दवा मुक्त स्वस्थ आदतों युक्त जीवन शैली अपनाने की जरुरत पर प्रख्यात डाक्टर, पर्यावरणविदों, पोषण विशेषज्ञ, आहार विशेषज्ञों , मनोवैज्ञानिकों बड़ी संख्या में भाग लेकर उपस्थितो का मार्ग दर्शन करेंगे।

JAIN COMMERCE CLASSES
Introduces
JAIN COMMERCE CLASSES JCC
BATCHES IN PROGRESS
» C.S Foundation Course (June 14)
» C.S.Executive Course (June 14)
» F.Y.J.C-T.Y.B.COM...
» M.COM (I&II)
» B.A.F., B.B.I., B.F.M.
Add:- 8 Om Shree Prathmesh Building, 60 Feet (x) Road Behind Reliance Fresh, Bhayandar (w), Tel-28189717